31

पाठ्यक्रम का देसीकरण - भाग 1

विगत कुछ दशकों में स्कूली शिक्षा और पाठ्यक्रम को बच्चों के अनुभवों और परिवेश से जोड़ने के अनेक प्रयास किए गए हैं। खास तौर पर वंचित तबकों के बच्चों का मुख्यधारा की शिक्षा से जुड़ाव बढ़ाने के लिहाज़ से।

स्कूल को बच्चों की दुनिया के नज़दीक लाने, बच्चों को स्कूल में सहज महसूस हो इसके लिए उस इलाके के पारम्परिक खेल, चुटकुले, पहेलियाँ, कहानियाँ, गीत और नृत्य को शामिल करके दूरी को कम करने के प्रयास किए गए हैं।

मध्यभारत की एक प्रमुख जनजाति बैगा के सामाजिक जीवन का अध्ययन करते हुए लेखिका ने इस शोधपत्र में पाठ्यक्रम में स्कूल बनाम घर के विभाजन और वर्तमान भारतीय स्कूली पाठ्यक्रम नीति में देशज ज्ञान के समावेश पर विचार किया है।

जन्तु-भक्षी पौधों की दुनिया

वनस्पतियों का एक समूह काफी फर्क किस्म का है - ये हैं कीटभक्षी पौधे जो अन्य पौधों से न सिर्फ अपने पोषण की दृष्टि से बल्कि प्राकृतवास की दृष्टि से भी भिन्न हैं। सामान्यतः कीटभक्षी पौधों में सनड्यू, पिचर प्लांट, बटरवार्टस, ब्लैडरवॉर्टस और वीनस फ्लाईट्रैप जैसे तमाम पौधे शामिल हैं। इन पौधों में से कई भारत में भी पाए जाते हैं। इन पौधों के शिकार भी बहुत विविध होते हैं - इनमें कीट, मकड़ियों से लेकर घोंघे व केंचुए तक शुमार हैं।

इस लेख में कीटभक्षी पौधों के प्राकृतवास और शिकार के तरीकों के बारे में विस्तार से जानेंगे। साथ ही यह भी समझने का प्रयास करेंगे कि क्या ये जैविक कीट नियंत्रक के रूप में उपयोगी सिद्ध होंगे।

45

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-35 (मूल अंक-92), मई-जून 2014

इस अंक में

4 | **आपने लिखा**

7 | **विद्युत, गैसें और टूटता परमाणु - भाग 2**
सुशील जोशी

17 | **धीमे विचार - भाग 2**
अतुल गवंडे

31 | **पाठ्यक्रम का देसीकरण - भाग 1**
पद्मा सारंगपाणी

42 | **जिज्ञासा, आदर, विज्ञान और कलाएँ**
राजा मोहन्ती

45 | **जन्तु-भक्षी पौधों की दुनिया**
अमृता सक्सेना, ऋचा रघुवंशी, एच.बी. सिंह

56 | **सूरज, चाँद और धरती क्यों हैं?**
सवालीराम

59 | **क्या चुम्बक की शक्ति खर्च भी होती...?**
ब्रजेश कुमार

63 | **शिक्षण में थिएटर: एक अनुभव**
अनिल सिंह

73 | **बचपन से... बचपन तक...!**
संघमित्रा आचार्य

80 | **जीत का जश्न**
रिनचिन

89 | **एक अनोखी मछली**
अरविन्द गुप्ते